दैनिक जागरण, भोपाल
23 OCT 2010

ग्लोबल में रचा इतिहास

खजुराहो। आखिरकार आज वो दिन आ ही गया, जिसका बेसब्री से इंतजार था। राज्य सरकार पिछले डेढ़ साल से नए मध्यप्रदेश को गढ़ने की जो मशक्कत कर रही थी, उसी कड़ी में शुक्रवार को यहां औद्योगिक विकास को लेकर खजुराहो में नया इतिहास लिख दिया गया। शरद पूर्णिमा के इस शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी मौजूदगी में ढेर सारे उद्योगों की बारिश कराई। खजुराहो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2 के शुरूआती दिन में ही मध्यप्रदेश की सरजमीं पर विभिन्न उद्योगों के लिए एक लाख बीस हजार 637 करोड़ रुपये के करारनामे किए गए। ग्लोबल मध्यप्रदेश की ख्वाहिश में 22 अक्टूबर 2010 की यह तारीख ऐतिहासिक कड़ी बनी।

मुख्यमंत्री बने मेजबान: राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश की तरक्की में जुड़ने वाले निवेशकों के लिए न सिर्फ सारे रास्ते खोलकर रख दिये बल्कि उनकी गर्मजोशी से मेहमाननवाजी करके आगे दूर तक साथ में जाने का दमखम भी दिखा दिया। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं मेजबान बन गए उनके साथ पूरी सरकार ने कदम ताल करते हुए प्रदेश में निवेश करने आए मेहमान निवेशकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मध्यप्रदेश की तरक्की की कोई भी बात हकीकत बने इस इरादे को मजबूत करने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश की सांसद श्रीमती सुषमा स्वराज ने भी इस खास मौके पर अपनी मौजूदगी दर्ज करायी। प्रशासनिक मशीनरी की मुस्तैदी इसलिए सुनिश्चित कर दी गई कि मुख्य सचिव अवनि वैश्य समेत दो अपर मुख्य सचिव सत्यप्रकाश और आभा आस्थाना को भी इस सम्मेलन में मौजूद रखा गया।

प्रदेश में निवेश करने निवेशक दिखे आतुर: मध्यप्रदेश में निवेश करने के लिए निवेशक आतुर दिखाई दिए। इसकी मुख्य वजह यह है कि उन्हें पूरा भरोसा हो गया है कि प्रदेश में पैसा लगाने में कोई रिस्क नहीं है। यही कारण है कि शुभारंभ सत्र के दौरान एक लाख करोड़ रूपये से ज्यादा की रकम प्रदेश में विभिन्न उद्योगों में लगाने की रजामंदी हो गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान समेत सारे निवेशकों के चेहरे पर मीठी मुस्कान स्वाभविक तौर पर उभरी थी क्योंकि किसी शक, शुबहे की कोई गुंजाइश रखी ही नहीं गई थी। सारी तस्वीर और सारे रास्ते जो निवेशकों के लिए खोले गये है।